राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप चयन आधारित सेमेस्टर प्रणाली
(CBCS) पर आधारित

पीएच.डी कोर्स वर्क (हिन्दी) का पाठ्यक्रम

शिक्षण सत्र 2022–23 से प्रभावी

हिन्दी विभाग

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर

उत्तर प्रदेश–272202

सामान्य निर्देश :

- पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश एवं संचालन के नियम व अध्यादेश यूजीसी के दिशा–निर्देशों के अधीन विश्वविद्यालय द्वारा जारी नियमों के अनुसार होंगे।
- इसमें शोध परियोजना से पहले प्री पीएच.डी. कोर्स वर्क करना अनिवार्य होगा।
- इस कोर्स वर्क में दो पेपर मुख्य विषय के 6–6 क्रेडिट के होंगे तथा एक पेपर 4 क्रेडिट का मुख्य विषय से संबंधित शोध प्रविधि (रिसर्च मेथाडोलॉजी) का होगा जिसमें अनुसन्धान नैतिकता, साहित्यिक चोरी तथा कम्प्यूटर अनुप्रयोग (Research ethics, plagiarism and computer applications) सम्मिलित रहेंगे। इस प्रकार यह पाठ्यक्रम 16 क्रेडिट का होगा तथा तीन प्रश्नपत्रों में पूरा होगा।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नियमावली 2016 के यूजीसी रेगुलेशन 2016 के बिंदु संख्या 7.8 के अनुरूप प्री पीएचडी कोर्स वर्क के न्यूनतम उत्तीर्णांक 55 प्रतिशत अथवा समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए होंगे।
- उपर्युक्त सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम के अतिरिक्त प्री पीएच.डी. कोर्स वर्क में एक शोध परियोजना भी करायी जायेगी।
- प्री पीएच.डी. कोर्स वर्क के विद्यार्थी की ग्रेड शीट पर शोध परियोजना के प्राप्तांकों पर आधारित ग्रेड तो अंकित होंगे, परन्तु उन्हें सीजीपीए की गणना में सम्मिलित नहीं किया जायेगा।
- प्री पीएच.डी. कोर्स वर्क में 16 क्रेडिट अर्जित करने वाले विद्यार्थी को उसके विषय में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रिसर्च (PGDR) दिया जायेगा।
- प्री पीएच.डी. कोर्स वर्क उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी को पीएच.डी. में शोध के लिए पंजीकृत किया जाएगा।

पाठ्यक्रम–विवरण

पत्र–संकेत संख्या (Paper Code)	पाठ्य पत्र का नाम	क्रेडिट	अंक	कुल क्रेडिट
DHNC-601	**शोध प्रविधि**	**4**	**100**	**16**
DHNC-602	**हिन्दी अनुसन्धान के आयाम**	**6**	**100**	
DHNC-603	**हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि**	**6**	**100**	
DHNP-604	**हिन्दी शोध परियोजना**	**0**	**100**	

कूट–संकेत :

DHNC : डिप्लोमा इन रिसर्च हिन्दी कोर पेपर; DHNP : डिप्लोमा इन रिसर्च हिन्दी शोध परियोजना।

पाठ्यक्रम से सम्बन्धित कूट संख्या (कोर्स कोड) में पहला अक्षर D डिप्लोमा (शोध) का बोधक है, बाद के दो अक्षर HN हिन्दी विषय के संकेतक हैं और अन्तिम चौथे अक्षर C, P आदि पाठ्यक्रम की प्रकृति के। अंकों में प्रथम अंक डिप्लोमा (शोध) पाठ्यक्रम के वर्ष का द्योतक हैं और बाद के दो अंक प्रश्नपत्र की संख्या के। उदाहरण के लिये DHNC-601 में D का अर्थ डिप्लोमा (शोध) है, HN का अर्थ हिन्दी (Hindi) है, C का कोर पेपर (Core Paper), 6 का छठा वर्ष और 01 का प्रथम प्रश्नपत्र है।

इसी तरह कूट अक्षरों का अर्थ इस प्रकार होगा–

C - Core Paper; P- Project

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम : पीएच.डी पूर्व अध्ययन **(Pre-Ph.D. Course Work)**

प्रथम प्रश्नपत्र

पाठ्यक्रम संख्या (COURSE CODE) :	पाठ्यक्रम शीर्षक (COURSE TITLE) :
DHNC601	**शोध प्रविधि**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course objetives) :

शोध करने के इच्छुक शोधार्थी को शोध प्रविधि का ज्ञान अत्यन्त आवश्यक है। इसी को ध्यान में रखकर इस पत्र की रचना की गयी है। इसका उद्देश्य शोधार्थियों को शोध प्रविधि से सम्बन्धित अति महत्त्वपूर्ण बातों की जानकारी कराना है।

क्रेडिट : 4	पूर्णांक : **25+75**	उत्तीर्णांक : 55 **प्रतिशत**

कुल व्याख्यान संख्या : 60

इकाई	पाठ्यवस्तु	व्याख्यान संख्या	क्रेडिट संख्या
1.	**शोधाभिप्राय :** शोध : अर्थ एवं स्वरूप; शोध के तत्त्व; शोध एवं समीक्षा; शोध के प्रयोजन; शोध के प्रकार; शोध की पद्धतियां; शोध–चिन्तन; तथ्यानुसन्धान एवं तथ्य–परीक्षण; शोध–अर्हता एवं संस्कार।	15	1
2.	**शोध के सोपान :** शोध–चिन्तन; विषय–चयन; रूपरेखा–निर्माण : शोध–शीर्षक; प्रस्तावना, पूर्वकृत कार्य की समीक्षा, परिकल्पना, उद्देश्य, प्रविधि व अध्यायीकरण, परिशिष्ट आदि; सामग्री–संकलन; टीप (नोट्स) लेना; प्रश्नावली, साक्षात्कार तथा पर्यवेक्षण–पद्धति।	15	1
3.	**शोध–प्रबन्ध लेखन :** विषय सूची; संकेत–सूची; विषय–प्रवेश या पीठिका; भूमिका एवं उपसंहार–लेखन, अध्यायीकरण, उद्धरण–प्रस्तुति; सन्दर्भोल्लेख; पाद–टिप्पणी; सन्दर्भ–ग्रन्थ सूची; नामों एवं विषयों की अनुक्रमणिका।	15	1
4.	**शोध–संहिता एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग :** शोध आचार संहिता; कॉपीराइट, साहित्यिक चोरी तथा उपचार; प्रकाशन–सम्बन्धी नैतिकता एवं दुराचार; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी 2016 का शोध–सम्बन्धी अधिनियम। कम्प्यूटर का शोध में उपयोग; कम्प्यूटर पर हिन्दी में काम करने की सुविधा; ई–सामग्री संग्रह तथा उपयोग; हिन्दी भाषा और साहित्य–सम्बन्धी विविध वेबसाइटें; ई–पत्रिकाएं, पुस्तकें तथा उनके लिये लेखन।	15	1

पाठ्यक्रम परिणाम :

1. शोधार्थी शोध, उसके प्रमुख आयामों और महत्त्व को जान सकेंगे।
2. शोध कार्य की सही पद्धति से अवगत हो सकेंगे।

3. इस पत्र के अध्ययन द्वारा उनमें अपेक्षित शोध–कौशल का विकास होगा और उनका शोध गुणवत्तापरक होगा।

सहायक ग्रन्थ :

1. शोध प्रविधि; विनयमोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. अनुसन्धान प्रविधि : सिद्धान्त और प्रक्रिया; एस. एन. गणेशन; लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. शोध और सिद्धान्त; डॉ. नगेन्द्र; नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. शोध प्रविधि; डॉ. हरिश्चन्द्र वर्मा; हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला।
5. शोध प्रविधि; रामगोपाल शर्मा दिनेश; राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
6. अनुसन्धान की प्रविधि और प्रक्रिया; राजेन्द्र मिश्र; तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
7.

विषय : हिन्दी			
पाठ्यक्रम : पीएच.डी पूर्व अध्ययन **(Pre-Ph.D. Course Work)**			
प्रथम प्रश्नपत्र			
पाठ्यक्रम संख्या (COURSE CODE) : **DHNC602**	पाठ्यक्रम शीर्षक (COURSE TITLE) : **हिन्दी अनुसन्धान के आयाम**		
पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course objetives) : किसी विषय में शोध करने के इच्छुक शोधार्थी को उस विषय में सम्भावित शोध के क्षेत्रों का ज्ञान होना बहुत आवश्यक है। इसी को ध्यान में रखकर इस पत्र की रचना की गयी है। इसका उद्देश्य शोधार्थियों को हिन्दी में शोध के विभिन्न आयामों और उनमें कार्य करने की व्यापक सम्भावनाओं से अवगत कराना है।			
क्रेडिट : 4	पूर्णांक : **25+75**	उत्तीर्णांक : 55 **प्रतिशत**	
कुल व्याख्यान संख्या : 90			

इकाई	पाठ्यवस्तु	व्याख्यान संख्या	क्रेडिट संख्या
1.	**साहित्येतिहोसिक शोध :** साहित्येतिहासिक शोध का अर्थ एवं स्वरूप; साहित्येतिहासिक शोध के क्षेत्र एवं सोपान; हिन्दी साहित्य के इतिहास में शोध की सम्भावनाएं; हिन्दी साहित्येतिहास में शोध की स्थिति।	15	1
2.	**व्याख्यात्मक शोध :** व्याख्यात्मक शोध का अर्थ एवं विशेषताएं; व्याख्यात्मक शोध के आयाम– मनोवैज्ञानिक, प्रवृत्तिपरक; सांस्कृतिक, सामाजिक, ऐतिहासिक, साहित्यशास्त्रीय।	15	1
3.	**लोकतात्विक शोध :** लोक : अवधारणा एवं स्वरूप; लोक साहित्य और उसके अध्ययन के विविध आयाम; लोकतात्विक शोध की दिशाएं; लोकतात्विक शोध के तत्त्व; लोकतात्विक शोध की प्रविधि; लोकतात्विक शोध की चुनौतियां और समाधान।	15	1
4.	**भाषातात्विक शोध :** भाषातात्विक शोध से तात्पर्य तथा उसका क्षेत्र; हिन्दी में भाषातात्विक शोध की आवश्यकता; साहित्य का भाषातात्विक अनुशीलन; भाषावैज्ञानिक शोध; शैलीवैज्ञानिक शोध; समाजभाषिक शोध।	15	1
5.	**सर्वेक्षण आधारित शोध :** हिन्दी में सर्वेक्षणपरक शोध के क्षेत्र एवं प्रविधियां; हिन्दी–क्षेत्र का निर्धारण और उस पर कार्य– बोलीगत, वृहत्तर, भारतेतर, हिन्दीतर क्षेत्र में भाषा–बोली और उनके साहित्य–सम्बन्धी अध्ययन। पाठानुसन्धान।	15	1
6	**तुलनात्मक शोध :** तुलनात्मक शोध का तात्पर्य एवं आयाम; हिन्दी में तुलनात्मक शोध की आवश्यकता; हिन्दी में तुलनात्मक अध्ययन के क्षेत्र; हिन्दी में तुलनात्मक शोध की परम्परा; हिन्दी में तुलनात्मक शोध की सम्भावनाएं तथा सीमाएं।	15	1

पाठ्यक्रम परिणाम :

1. शोधार्थी हिन्दी में शोध के प्रमुख आयामों, प्रविधियों और महत्त्व को जान सकेगे।
2. शोध कार्य की सही पद्धति से अवगत हो सकेंगे।
3. इस पत्र के अध्ययन द्वारा उन्हें जहां एक ओर अपने विषय–चयन में सहायता मिलेगी, वहीं उनके शोध कार्य में गुणात्मक सुधार होगा।

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी अनुसन्धान; विजयपाल सिंह; लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. हिन्दी पाठानुसन्धान; कन्हैया सिंह;लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. पाठ सम्पादन के सिद्धान्त; कन्हैया सिंह; लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. संरचनात्मक शैली विज्ञान; रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव; आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. हिन्दी शोधतन्त्र की रूपरेखा; मनमोहन सहगल; पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
6. पाण्डुलिपि विज्ञान; डॉ. सत्येन्द्र;राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
7.
8.

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम : पीएच.डी पूर्व अध्ययन **(Pre-Ph.D. Course Work)**

प्रथम प्रश्नपत्र

पाठ्यक्रम संख्या (COURSE CODE) :	पाठ्यक्रम शीर्षक (COURSE TITLE) :
DHNC603	**हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course objetives) :

इस पत्र का उद्देश्य शोधार्थियों को उन विचार–सरणियों से अवगत कराना है, जिन्होंने हिन्दी साहित्य को अपने–अपने दौर में गहराई से प्रभावित किया है। हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि से परिचित हो जाने से उनके समक्ष शोध के नये–नये आयाम सामने आ सकेंगे और वे अपने शोध–विषय का एक अच्छा चयन कर सकेंगे।

क्रेडिट : 4	पूर्णांक : **25+75**	उत्तीर्णांक : 55 **प्रतिशत**

कुल व्याख्यान संख्या : 75

इकाई	पाठ्यवस्तु	व्याख्यान संख्या	क्रेडिट संख्या
1.	**विचारधारा और मध्यकालीन बोध :** विचार, विचारधारा और लेखन; साहित्य और विचारधारा; शोध और आलोचना में विचारधारा की भूमिका; मध्यकालीन बोध का स्वरूप; विभिन्न धर्म–साधनाएं, आन्दोलन और उनके वैचारिक आधार।	15	1
	मध्ययुगीन एवं आधुनिक बोध : औद्योगिक संस्कृति और आधुनिकता बोध; मध्ययुगीन और आधुनिक बोध में साम्य–वैषम्य; मध्ययुगीन लोक–जागरण और आधुनिक पुनर्जागरण; राष्ट्रीयता और अन्तरराष्ट्रीयता; पुनरुत्थानवाद; मानवतावाद।	15	1
2.	**आधुनिक प्रभाव :** परम्परा और आधुनिकता; भारतीय स्वतन्त्रता–संग्राम; विभिन्न संस्थाओं के सुधार–आन्दोलन; भारत की संवैधानिक व्यवस्था– लोकतन्त्र, समाजवाद, पन्थनिरपेक्षता।	15	1
3.	**विविध मतवाद :** अध्यात्मवाद; गांधीवाद; अन्तश्चेतनावाद; मार्क्सवाद; मनोविश्लेषणवाद; अस्तित्ववाद; आधुनिकतावाद; उत्तर–आधुनिकतावाद।	15	1
4.	**विविध विमर्श :** भूमण्डलीकरण, औद्योगीकरण; बाजारीकरण; शहरीकरण; दलित विमर्श; स्त्री–विमर्श; आदिवासी विमर्श; पसमांदा विमर्श; आंचलिकता और महानगरीय बोध।	15	1
5.	**साहित्य का अन्तर्विषयक अध्ययन :** साहित्य का समाजशास्त्र; अन्तरानुशासनिक अध्ययन; साहित्येतिहास–दर्शन; मनोवैज्ञानिक अध्ययन; सांस्कृतिक अध्ययन; भाषा प्रौद्योगिकी; साहित्य का वैज्ञानिक बोध।	15	1

पाठ्यक्रम परिणाम :

1. शोधार्थी उन वैचारिक आधारों को जान सकेंगे, जिन्होंने समय–समय पर हिन्दी साहित्य को गहराई से प्रभावित किया है।
2. शोध के नये–नये क्षेत्र उनके सम्मुख प्रकट हो सकेंगे।
3. अपने शोध–विषय का अच्छा चयन कर वे शोध के क्षेत्र में श्रेष्ठ अवदान दे सकेंगे।।

सहायक ग्रन्थ :

1. साहित्य और विचारधारा; कमला प्रसाद।
2. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका; मैनेजर पाण्डेय।
3. साहित्य का समाजशास्त्र; निर्मला जैन।
4. साहित्य और इतिहास दृष्टि; मैनेजर पाण्डेय।
5. मध्यकालीन बोध का स्वरूप; हजारी प्रसाद द्विवेदी।
6. उत्तर आधुनिक साहित्य विमर्श; सुधीश पचौरी।
7. संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र; गोपीचन्द नारंग।
8. साहित्य का समाजशास्त्र; डॉ. नगेन्द्र।
9. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श; जगदीश्वर चतुर्वेदी; लोकभारती प्रकाष्शन, इलाहाबाद।
10. स्त्रीवादी विमर्श : समाज और साहित्य; क्षमा शर्मा; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
11. अस्तित्ववाद; योगेन्द्र साही; द मैकमिलन, दिल्ली।
12. मनोविश्लेषण; सिंगमण्ड फ्रायड; राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।
13. तुलनात्मक साहित्यः भारतीय परिप्रेक्ष्य; इन्द्रनाथ चौधुरी; वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
14. तुलनात्मक साहित्य ; डॉ. नगेन्द्र; नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
15. भारतीय साहित्य; डॉ. नगेन्द्र; प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
16.

<table>
<tr><td colspan="5">विषय : हिन्दी</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="5">पाठ्यक्रम : पीएच.डी पूर्व अध्ययन (Pre-Ph.D. Course Work)</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="5">प्रथम सेमेस्टर</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्यक्रम संख्या (COURSE CODE) :
DHNP604</td><td colspan="2">पाठ्यक्रम शीर्षक (COURSE TITLE) :
हिन्दी शोध परियोजना</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="5">पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course objetives) :
इस पत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में शोध एवं सृजनात्मक क्षमता का विकास करना है। उच्च शिक्षा का महत् उद्देश्य शोध है। किसी विषय पर शोध परियोजना करने से विद्यार्थियों में शोध–क्षमता का विकास हो और वे आगे चलकर एक अच्छे शोधकर्ता बन सकें, इस दृष्टि से इस पत्र की आयोजना पाठ्यक्रम में की गयी है।</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="2">क्रेडिट : 0</td><td colspan="2">पूर्णांक : 100</td><td>उत्तीर्णांक : 55 प्रतिशत</td><td></td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td colspan="3">पाठ्यवस्तु</td><td>व्याख्यान संख्या</td><td>क्रेडिट संख्या</td></tr>
<tr><td>1.</td><td colspan="3">इस पत्र के अन्तर्गत विद्यार्थी अपने शोध–निर्देशक के निर्देशन में हिन्दी भाषा एवं साहित्य से जुड़े किसी विषय का चयन कर एक शोध परियोजना पर कार्य करेंगे और उससे सम्बन्धित एक शोध–प्रबन्ध मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत करेंगे।</td><td></td><td>0</td></tr>
</table>

पाठ्यक्रम परिणाम :

1. विद्यार्थियों को शोध का व्यवहारिक अभ्यास होगा।
2. पीएच.डी. करने से पूर्व विद्यार्थी शोध की सही प्रविधि जान सकेगे और शोध कार्य की बारीकियों को समझकर उसमें दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी के एक गम्भीर अध्येता तथा उत्कृष्ट शोधार्थी के रूप में विकसित होने में यह पत्र सहायक होगा।